पाठ 10. अंगों की हड़ताल

पाठ की भूमिका

इस पाठ में सहयोग की भावना के बारे में बताया गया है। शरीर के अंगों की हड़ताल का बुरा असर किस प्रकार पड़ता है, इसे बताया गया है। इस पाठ के माध्यम से अपरोक्ष रूप से अंतर-वैयक्तिक संबंध की व्याख्या की गई है।

पाठ का सार

शरीर के अंगों को लगा कि वे सब काम करते हैं और फ़ायदा पेट को मिलता है। यह सोचकर हाथ, पैर, मुँह और दाँत अपना-अपना काम करना छोड़ देते हैं। परिणाम यह होता है कि दो दिनों में ही सबकी हालत खराब हो जाती है। तब पेट उन सबको सच्चाई समझाता है। इसके बाद शरीर के अंग अपना-अपना काम करना शुरू कर देते हैं।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  यह पाठ मिल-जुलकर काम करने की प्रेरणा देने वाला पाठ है। इस पाठ को पढ़ाने से पहले बच्चों से उनकी खानपान की आदतों के बारे में चर्चा करें। भोजन करने से लेकर उसके पाचन तक की क्रिया के बारे में सरल शब्दों में उन्हें समझाएँ। पाठ के अंत में उन्हें हड़ताल की बुराइयों के बारे में बतलाएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 10** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - वचन की परिभाषा की चर्चा किए बगैर बच्चों को एक या अनेक का बोध कराने वाले शब्द-रूपों के बारे में बतलाएँ। अभ्यास में दिए गए शब्दों के अतिरिक्त अन्य शब्दों का उदाहरण देकर उनसे संबंधित अभ्यास कराए जा सकते हैं।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - खेल-खेल में शब्द-निर्माण की गतिविधि कराने से बच्चों की शब्द-संपदा बढ़ेगी। नए बने शब्दों के बारे में चर्चा अवश्य करें।
  - खानपान की आधुनिक लत से स्वास्थ्य पर जो बुरा असर पड़ रहा है, उसपर चर्चा अवश्य करें। बच्चों को पिज्ज़ा, बर्गर, आदि जैसे 'जंक फ़ूड' से बचने के लिए प्रेरित करें।